



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



दिनांक



विक्रय विलेख

पतिता की वसूली	₹ 7,35,964/-
वसूली मूल्य	₹ 4,70,938/-
अदा दिये गये अदायत राशि -	₹ 73,600/-

- | | | |
|----|----------------|-------------------------|
| 1. | भूमि का उत्तर | कुछ |
| 2. | समान | विलेख |
| 3. | रान | इलाहाबाद जिला |
| 4. | गणालि का विवरण | भूमि उत्तर जिला 76 नंवा |

दिनांक

19/11/2007



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

400390



0.274 हेक्टेअर, को. खुर्दवा
शिव धाम बंगला रोड, गंगा
बिजली, गंगा नदी तट पर लखनऊ

- | | | | |
|-----|-----------------|---|--|
| 5. | नगर की ईकाई | - | हेक्टेअर |
| 6. | नगर की शक्ति | - | 0.274 हेक्टेअर |
| 7. | नगर की स्थिति | - | लखनऊ नदी तट पर नगरपालिका क्षेत्र से
अधिकतम 200 मीटर से अधिक |
| 8. | नगर की जल | - | नदी |
| 9. | नदी की स्थिति | - | नदी नदी है। |
| 10. | नदी/ नदी का नाम | - | नदी नदी है। |



400390



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

310916

- 1 -

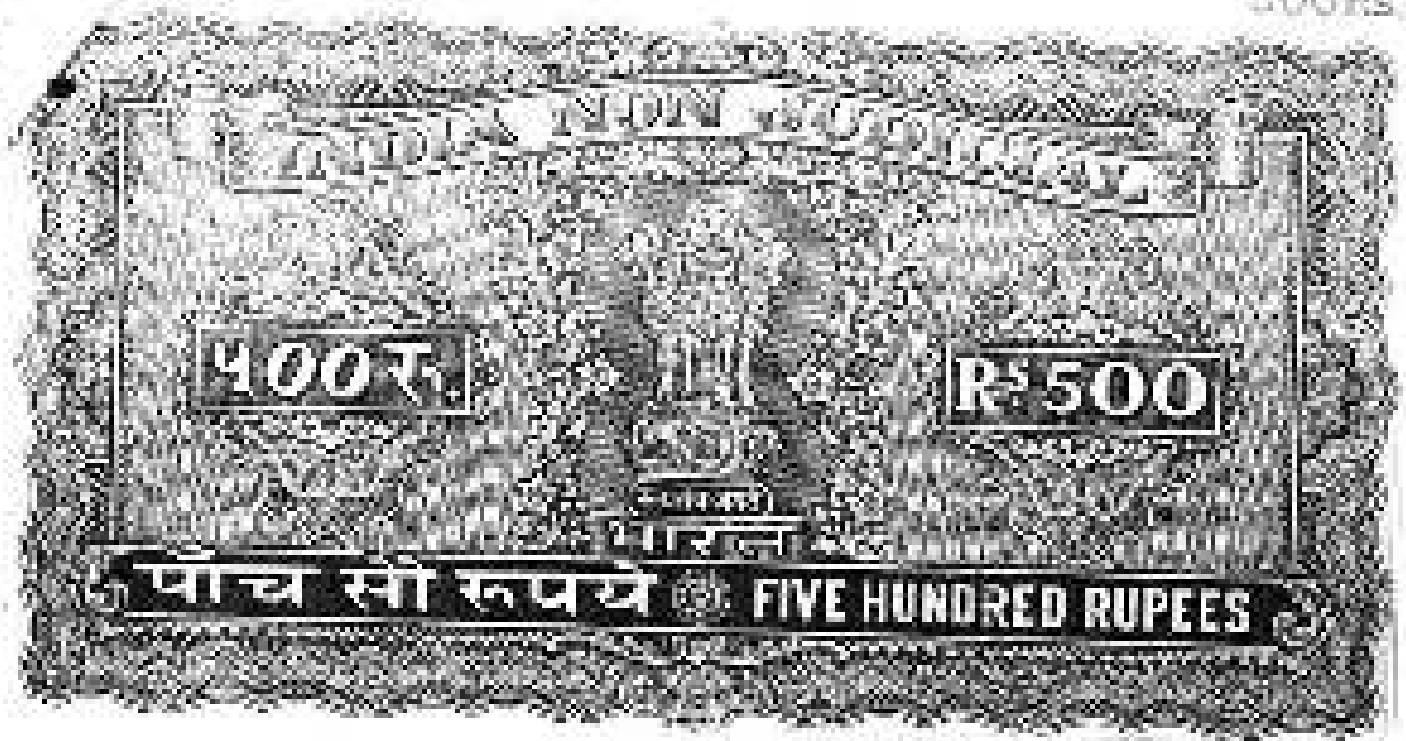
बीछवी अर्थात् नं० 205

जलद	छमर संख्या-205
दक्षिण	अर्थात् संख्या-200,201
पूर्व	छमर संख्या-204
पश्चिम	छमर संख्या-207

प्रथम पक्ष की संख्या- 1 : द्वितीय पक्ष की संख्या- 1

निर्देशा वर विवरण	: सेवा का विवरण
महज पुनर्निर्माण निवासी शम जलनपुर, खेवली, पणना	अंशुल प्राप्तिगत एण्ड इन्फ्रस्ट्रक्चर लि० लिमिटेड जलन 115, अंशुल

10/11/2016



यह निम्न विवेक मन्त्र पुन तुला निवासी आम हसनपुर जेली,
 परगना स्थानीय, लाहौर व जिला लखनऊ निचे आगे विवेकता यह था
 है एवम् अस्तु प्राप्ति के अन्त इन्फार्मेशन लि० रजिस्टर्ड अफिस 115,
 अस्तु जमान, 16, नन्दलवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली-110001, वर्तमान पता
 जूनीय तत बह्मपुष्पसीधर निस्त्रिं, 13, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ आता
 अश्विनी उस्तादारी श्री जामिक प्रसाद द्विवेदी पुत्र श्री रानी प्रसाद द्विवेदी
 वर्तमान व स्थायी पता जूनीय तत बह्मपुष्पसीधर निस्त्रिं, 13, राणा



अस्तु जमान

अस्तु जमान

अस्तु जमान



प्रताप भाग, तत्कालक विन्ने भाग देता रहा गया है के गल्ल निम्नलिखित किया गया।

यह कि विन्ने भूमि घासत सज्जा 205 एकड़ 0.274 हेक्टेयर, कर पूर्ण भाग रिवात ग्राम हल्द्वार जेवनी पंचना वित्तवीर तहसील व जिला लखनऊ के मणिक, कर्णिल व जलिक है तथा उपरोक्त सत्यापित वार्षिक शाला अंतर्गत का नम्बर 00153 के अनुसार भूमि विन्नेता के नाम निम्नलिखित भूमिधर के रूप में दर्ज है और विन्नेतागण के नाम का अमल दायर राखत उचितरूपी है जो गया है। विन्नेता अपना सम्पूर्ण

(Signature)

(Signature)

(Signature)

(Signature)



बिस्वा जैता की इस विजय विशेष बात विजय का रहा है किंकि
 जयकेल सम्पूर्ण भूमि के मालिक, कर्मिण व कर्मिण के एक संगठन समय
 में उक्त भूमि कृषि भूमि है और उक्त भूमि सरलता भूमि का बिस्वा नहीं
 है। यह कि बिस्वा यह सोचता करता है कि जयकेल संगठन भूमि सभी
 प्रकार के भूमि में मुक्त एवं पाक व साफ है तथा बिस्वा ने उसे इस
 विजय के पूर्व कभी दूध, दिना, दिना, दिना या अन्यथा दिना नहीं दिया है।
 बिस्वा ने उक्त भूमि पर दूध कप व अन्य प्रकार का बर्तन कप नहीं
 दिया है। यदि कोई ऐसा कप भविष्य में निकलता है तो उसके विनियम



12



243

जिम्हनी प्रति को लिखते पढ़ा खोलकर करते हैं, तबनुसार उक्त लिखित
उक्त क्षेत्र के हथ लादेन वर्णित भूमि, निम्नलिखित हथ लिखित
निर्देश के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, जो बरख्त केन दिया
है, एवं विवेक ने विद्यमान भूमि को भी जो पर कल्या क्षेत्र को लम्बी
लगा दिया गया है। उक्त उक्त वास्तव में विवेक तथा उनके वास्तविक
का कोई अधिकार नहीं है। लिखित ने विद्यमान सम्पत्ति को अपने
स्वामित्व के वास्तव अधिकारों के साथ पूर्णतया व समस्त के लिए क्षेत्र को
हस्तांतरण कर दिया है। अब कला विद्यमान सम्पत्ति एवं उसके पत्नी

243

243

243



- 10 -

भाग की अपने एतन्त्र स्वागित न अधिकार व कर्त्तव्य में समझ के रूप में कार्य एवं उपयोग व उपयोग करेंगे । विवेका न उसके अधिकार उसी किये प्रकार की अधिकार वध नहीं दल सकेंगे एवं न ही कोई मत कर सकेंगे और यदि ऐक्यद्वय सम्पत्ति अथवा कोई भाग विवेका के अधिकार में हुई के कारण वा नानुनी अधिकार व नानुनी मुद्दे के कारण कदा व उसके अधिकार निष्ठावकल्प इत्यादि के करने व अधिकार वा स्वतः से निष्ठा वधे तो वेता उसके अधिकार, निष्ठावकल्प इत्यादि वधे वह एक हेंगे कि वह अपना समस्त नुकसान भर हवा न खर्चा, विवेका ही भत्ता,

२० मई १९४८

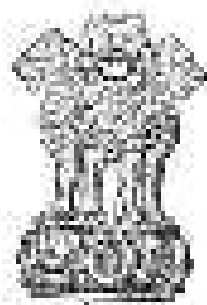
२० मई १९४८

भारतीय नैर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100



ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 599300

अपना अन्तिम से नवीन अकाउन्ट बसुल कर लें। इस स्थिति में आपको
एक नवीन वारिडान कर्ज द खर्च देने से बच्य होग ।

हम के विवेता यह भी नोटिफ करत है कि इस शुध्द लखनऊ
विभाग अधिकरण, लखनऊ तथा जेम्स अगास एवं रेफरस परिकर,
लखनऊ तथा अन्य जिलों में उपलब्ध अथवा नैर सरकारी सेवा द्वारा
संविद्वेषित गडों को मरि है और न ही प्रस्तावित है ।



यह कि ऊपर उक्त विवरणों के अंतर्गत आये हुए सभी भूखंडों में अपने नाम दर्ज कराने में जो विवेक की कोई अपेक्षा न होगी और यह कि इस विवरण विवरण के तहत कौन-कौन से भूखंड किसी तरह का भार इस सम्बन्ध में होगा तो उनकी विवेक भुगतान में प्रयत्न करेंगे, विवेक की कोई अपेक्षा न होगी।

यह कि ऊपर उक्त अर्थात् नामा प्रम. हसनपुर खेती अधिनियम के विवेक प्रम. के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित अधिकतम रेट रु० 13,75,000/- प्रति हेक्टेयर है यदि भूमि का विवरण भूमि के पक्ष में हो रहा है इसलिए 25 प्रतिशत वृद्धि करने पर रु० 17,18,750/- के हिसाब से विवेक भूमि 0.274 हेक्टेयर की गणित्य रु० 4,70,929/- होता है नुक़े विवरण भूमि, भूमि की गणित्य कृषि में अधिक है इसलिए विवरण भूमि कृषि पर ही रु० 73,600/- अर्थात् कृषि का भिन्न जा रहा है। यह कि ऊपर उक्त विवरण भूमि भूमि के उपयोग के लिए कृषि में जा रही है। भूमि में कोई भी इमारत आदि नहीं है तथा किसी प्रकार की आवासीय गतिविधियाँ नहीं चल रही हैं तथा 200 मीटर के अर्धव्यास में कोई निर्माण नहीं है विवरण भूमि किसी तरह नहीं, राजपथी व जनजातीय मार्ग पर स्थित नहीं है। विवरण भूमि मुजफ्फरपुर रोड से 4 किलोमीटर दूरी पर लगभग 200 मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। विवेक अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है। इस विवरण विवरण के विवरण का गणित्य रूप में आया प्रम. विवरण गया है।

(Signature)

(Signature)

11/07/20

20/04/2020 10/07/2020

5,13,000

43

10/07/20

20/07/20

10/07/2020 10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020



10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020



10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020



10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020



10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

10/07/2020 10/07/2020

‘महानि ॥६॥’ सेकड़ पत्र लिखता तो कृता के पक्ष में लिख दिया ताकि
समस्त श्री और आनन्दभक्ता ‘महानि’ पर कलम डालें ।

पारमेश्वरः गुणज्ञान विभक्तः

1. पिछला बर सा 7,35,964. 2. न न संख्या- 1। 1-2 6 0
3-4 21.03.2007 ग्याय नेशनल रीक, हतरसंगर लभनल
रिता से ग्राह हए।

इस प्रकार विज्ञा की कुल विक्रय मूल्य रु० 7,35,964/- (रुपया सात लाख पैंतीस हजार नौ सौ बीसठ पांच) है। जैसा कि प्राप्ति हुए निलंबी प्राप्ति विज्ञा शांन्वार करते है ।

1272

दिनांक : 27.03.2007

ग्याह विवेचना की पद्धतान की

1.4. $\omega(r) = 2\sqrt{r}$

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

$$\frac{1}{\sqrt{1-x^2}} = \sum_{n=0}^{\infty} \frac{(2n)!}{(n!)^2 4^n} x^{2n}$$

2. वेदों की पहचान की

$$Z = \frac{1}{\sqrt{n}} \sum_{j=1}^n \left(\frac{\log \lambda_j}{\sigma_j} - \frac{\log \lambda_0}{\sigma_0} \right) \xrightarrow{d} N(0, 1)$$

निष्कर्ष

प्रिंसिपल ज्योतिराम शिंदे

निगिन जेई, नमनः

Q. 2. As_2S_3

●

Final Project: *2017 LTR*

परिचय

विषय: गृह्य सिद्धि

12/12

ਸਿੱਲਾ

ਸਿੱਲਾ 1900

View

1900

Book 1900

1

ਸਿੱਲਾ
ਸਿੱਲਾ
ਸਿੱਲਾ
ਸਿੱਲਾ
ਸਿੱਲਾ



ਸਿੱਲਾ

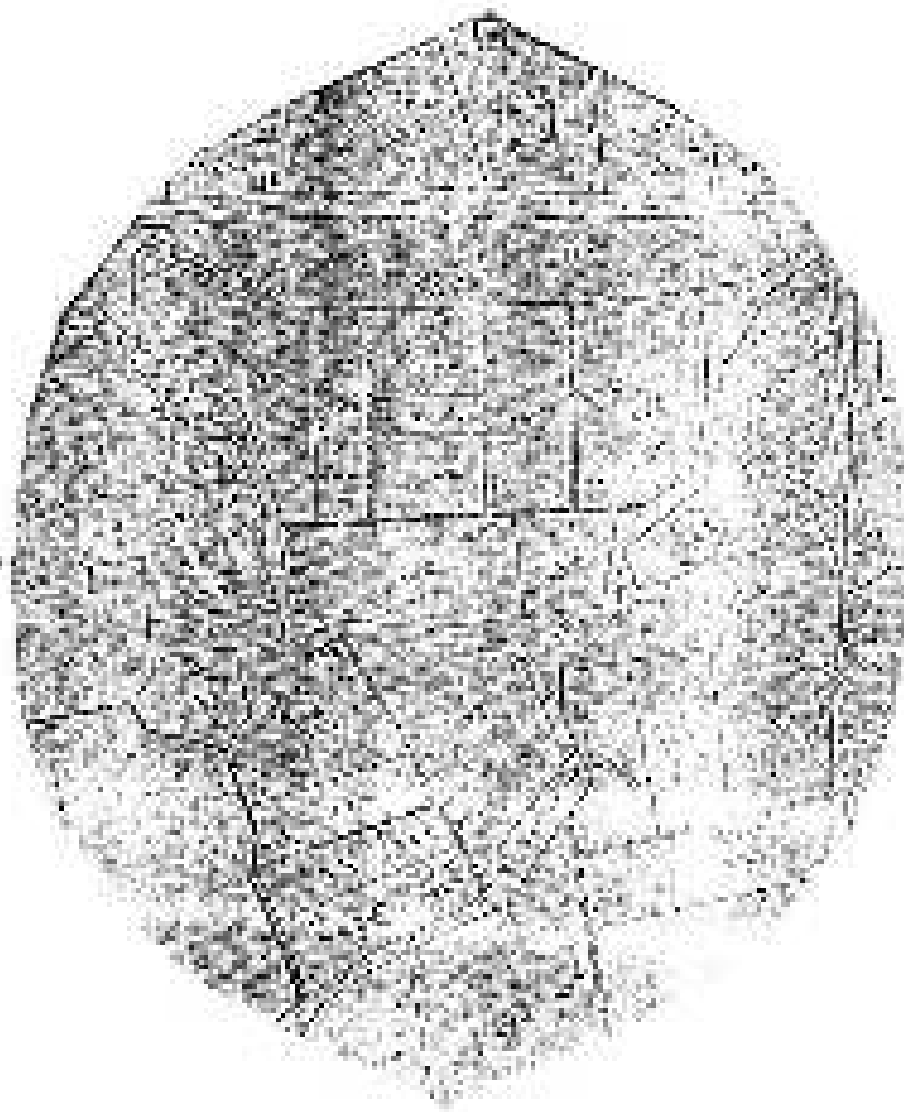
CC-1 20057 20057

CC-1 20057 20057

24 121 21 2037

1021 1021

20057 20057 20057



20057

20057

20057

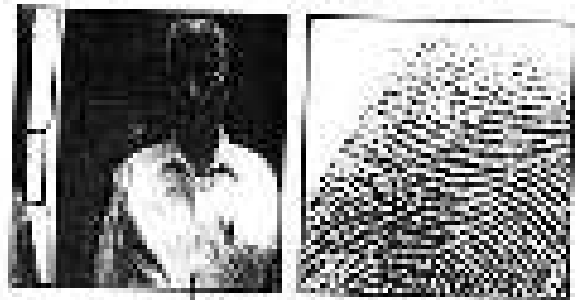
पृष्ठ

Registration No. 2717

Year: 2017

Book No. 1

02011 श्रीमद् भगवद् गीता के अनेक प्रमुख विचार
महात्मा जवाहर लाल नेहरू
का अन्तर्गत वर्णन
पृ. १५१

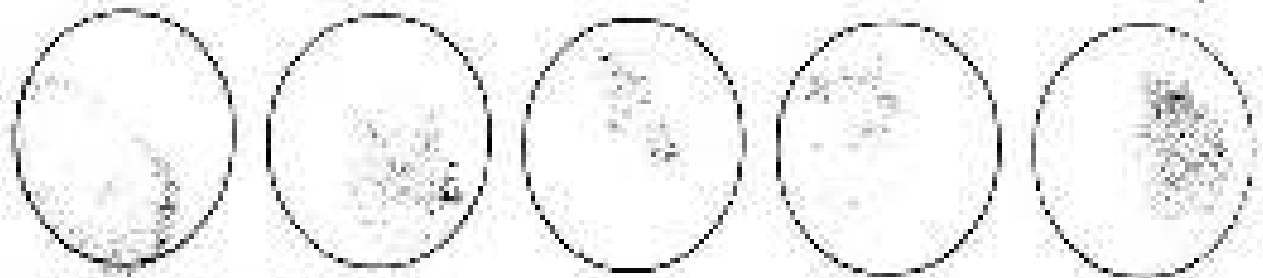


रजिस्ट्रेशन अडिओ 1904 रजिस्ट्रेशन 02 190 को अनुपात 1:1
फ़िल्टर प्रिन्ट

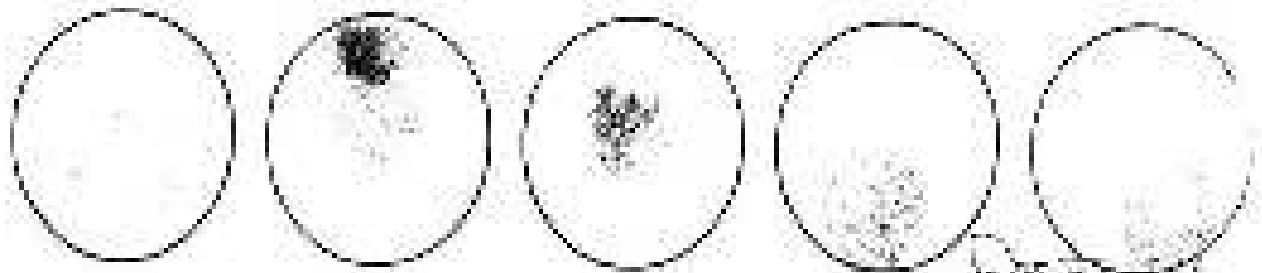
Geography / finden eine Stadt –

Ans: $\frac{1}{2} \times 20 \times 6 = 60$
C.C.

बड़े हाथ के अंगुलियों के बिन्दु:



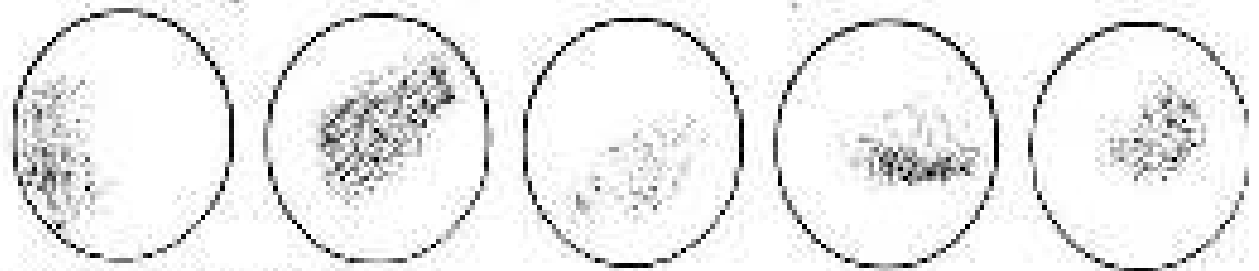
बाहिन काय के अंगुलियों के सिद्ध :-



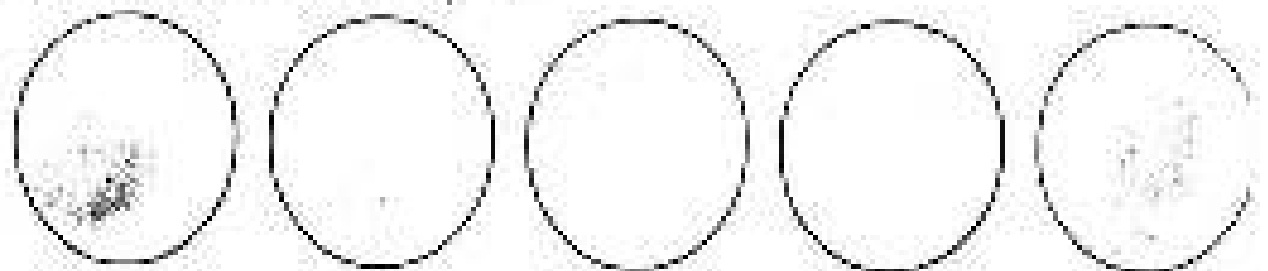
विद्यार्थी/सेवा नाम व पता :-

प्रस्तावना / विवेक / कर्म / अन्तः

अपने हाथ के अंगुलियों के बिना :-



पाठिने हाथ के शङ्खलिपों के दिग्द :—



विश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय / विश्वविद्यालय

आम दिनांक 22/03/2007 को

वॉल नं 1 निम्न नं 8196

पृष्ठ नं 123 0 152 भा. नं. 2702

प्रिलिम्न किया गया।

कै. ज. शर्मा

रथ निगमक (आम)

लखनऊ

22/03/2007